Feb. 2021

SRMS Trust Bulletin

आयाम

धूमधाम से हुआ रिद्धिमा का लोकार्पण

PAGE 7

एसआरएमएस सीईटी में हुआ 20वां दीक्षांत समारोह

PAGE 4

- सेनानी राम मूर्ति जी ने भारत छोड़ो आंदोलन में सहीं यातनाएं - PAGE 03
- एसआरएमएस कॉलेज ऑफ नर्सिंग में लैम्प लाइटिंग - PAGE 10
- सफेद कोट पहनकर विद्यार्थियों ने महर्षि चरक की ली शपथ - PAGE 12
- एसआरएमएस आईएमएस में वेंटिकॉन 2021 का आयोजन - PAGE 13
- पुरस्कृत कहानी- 'बंटवारा'- PAGE 14
- आईएएस चन्द्रमोहन बने शिक्षक, सीईटी में ली क्लास - PAGE 16

WORLD HEARING FORUM

SRMS

भारत सरकार द्वारा
प्रायोजित एवं वित्तपोषित
निःशुल्क कोक्लियर इम्पलांट सर्जरी कार्यक्रम

अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् एवं श्रवण दिव्यांग जन संस्थान, मुंबई द्वारा
निःशुल्क कोक्लियर इम्पलांट सर्जरी
करने के लिए अनुबंधित अस्पताल

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत चयनित जन्म से बहरे बच्चें एवं ऐसे व्यक्ति जिनकी सुनने की क्षमता बाद में किसी कारणवश समाप्त हो गयी हो की **कोक्लियर इम्पलांट सर्जरी** निःशुल्क की जाती है तथा सर्जरी के पश्चात दो वर्ष तक उनका पुर्नवास कार्यक्रम भी निःशुल्क किया जाता है। इसमें विशेषज्ञ डॉक्टरों की देख-रेख में ऑडियोलॉजी एवं स्पीच थैरेपी के माध्यम से उन्हें सुनने एवं बोलने लायक बना दिया जाता है।

Ignoring
Hearing Loss
can lead your
Hearing Problems
to turn into
Deafness

अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि.सं.
AYJNISHD(D)

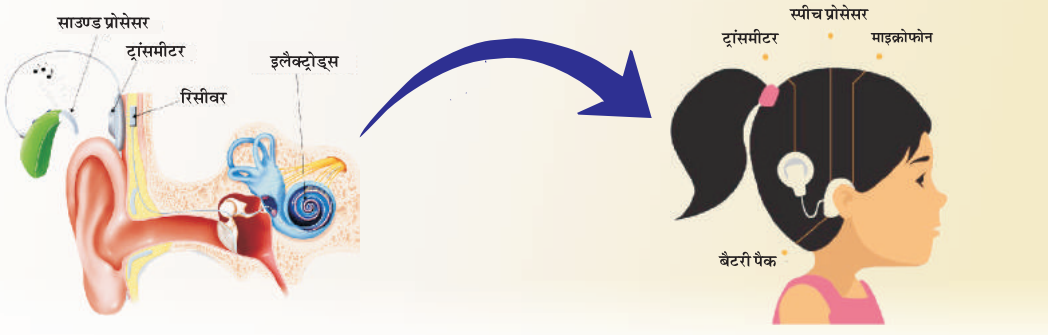

नाक, कान व गला विभाग (ENT, Head & Neck Surgery)

श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

राम मूर्ति पुरम, 13 किमी., बरेली-नैनीताल रोड, बरेली (उ.प्र.)

✆ 0581-2582000, 9458704444

www.srms.ac.in

नए संकल्पों से नए मुकाम

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विश्वस्तरीय चिकित्सा उपलब्ध करवाने और निर्बल वर्ग के विकास व समृद्धि के लिए प्रयासरत एसआरएमएस ट्रस्ट नए संकल्पों से नित नए मुकाम हासिल कर रहा है। लाकडाउन में लिए गए संकल्प को निर्धारित समय में पूरा कर एसआरएमएस ने अपना 17वां संस्थान एसआरएमएस रिद्धिमा कला, संस्कृति, संगीत, थिएटर को समर्पित किया। इसके लोकार्पण में विश्व प्रसिद्ध शख्सियतों कथक गुरु जितेंद्र महाराज, शायर वसीम बरेलवी और शब्बू मिया का पहुंचना और इसे समाज को समर्पित करना ही इसके उत्कृष्ट सोच को प्रदर्शित करता है। लोकार्पण के साथ ही रिद्धिमा के प्रति

बरेली के कला और संगीत प्रेमियों का आकर्षण और जुड़ाव बेशक इसे अलग मुकाम देगा। इसी के साथ एसआरएमएस ट्रस्ट ने अपने इंजीनियरिंग कालेजों का 20वां दीक्षांत समारोह मना कर इंजीनियरिंग शिक्षा के दूसरे दशक में प्रवेश का आगाज किया। तो नर्सिंग के पंद्रहवें बैच को समाजसेवा की शपथ दिलाई। दोनों के विद्यार्थियों को ट्रस्ट की ओर से छह लाख से ज्यादा की स्कालरशिप भी दी गई। निसंदेह यह प्रतिभा का बड़ा सम्मान भी है और समाजसेवा भी।

जय हिंद

राम मूर्ति जी ने भारत छोड़ो आंदोलन में सहीं यातनाएं

बात वर्ष 1942 की है। द्वितीय विश्वयुद्ध चल रहा था। अखिल भारतीय कांग्रेस समित के मुंबई अधिवेशन में महात्मा गांधी जी ने देश की आजादी के लिए अपने तीसरे बड़े आंदोलन का फैसला किया। आंदोलन का नाम दिया गया अंग्रेजों भारत छोड़ो। आंदोलन के आह्वान के साथ ही महात्मा गांधी को फौरन ही आठ अगस्त को गिरफ्तार कर लिया गया। उनकी गिरफ्तारी और आंदोलन अंग्रेजों भारत छोड़ो के आह्वान की खबर पूरे देश में आग की तरह फैल गई। देश भर में युवा कार्यकर्ताओं ने हड़ताल और तोड़फोड़ के जरिये आंदोलन को आगे बढ़ाया। बरेली में आंदोलन को सफल बनाने के लिए स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी ने भी कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। अंग्रेजों ने जितना आंदोलन को कुचलने की कोशिश की राम मूर्ति जी के नेतृत्व में बरेली में आंदोलन उतना ही फैलता चला गया। आखिरकार अंग्रेजों ने आंदोलन की कमान संभालने वाले राम मूर्ति जी को गिरफ्तार करने का फैसला किया। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। सरकार ने उन्हें ढाई साल काल कोठरी की कठोर सजा सुनाई। राम मूर्ति जी ने राष्ट्रधर्म से हटने के बजाय सजा को सहर्ष स्वीकार किया। उन्हें जेल की ऐसी कोठरी में रखा गया जहां रोशनी आने के लिए सिर्फ एक छिद्र था। अंग्रेजों ने यहां भी उन्हें प्रताड़ित करने का कोई मौका नहीं छोड़ा। भोजन ग्रहण करने और दैनिक क्रियाओं को संपन्न करने के लिए भी उन्हें मिट्टी के दो बर्तन दिए गए। उनकी कोठरी में गंदा मैला तक डाला गया, घोर यातनाएं दी गईं। लेकिन राम मूर्ति जी ने आंदोलन खत्म करने का फैसला नहीं किया।

हमारे प्रेरणा स्रोत

स्व. श्री राम मूर्ति जी
08.02.1910 - 02.10.1988

कांग्रेस के आला नेताओं के साथ स्वतंत्रता सेनानी और पूर्व मंत्री राम मूर्ति जी (फोटो-एसआरएमएस आर्काइव)

अमृत कलश

''सपने सच हों इसके लिए सबने देखने जरूरी है।''

फ्यूचर क्लास रूम से 1950 लोगों को कंप्यूटर शिक्षा

MILESTONE

एसआरएमएस ट्रस्ट द्वारा कंप्यूटर साक्षरता बढ़ाने के लिए गांव धौराटांडा में फ्यूचर क्लास रूम संचालित किया गया। इसमें 15 वर्ष से 45 वर्ष तक के लोगों को एक माह से छह माह तक का कंप्यूटर कोर्स निशुल्क कराया जाता है। कोर्स पूरा होने के बाद इन्हें सर्टिफिकेट भी प्रदान किया जाता है। जिससे कंप्यूटर साक्षर हो चुके यह लोग रोजगार हासिल कर सकें। अब तक 1950 लोग कोर्स पूरा कर सर्टिफिकेट प्राप्त कर चुके हैं। पंद्रह कंप्यूटरों के साथ धौराटांडा में स्थित फ्यूचर क्लास रूम पूरी तरह वातानुकूलित बनाया गया है। इसमें आडियो-विजुअल, वीडियो कांफ्रेंसिंग सुविधा के प्रिंटर, हाईस्पीड इंटरनेट की सुविधा भी प्रदान की जाती है।

EDITORIAL TEAM

Amit Awasthi	-	Editor
Rishabh Tiwari	-	Correspondent
Indu Dixit	-	Photographer
Gautam Rai	-	Photographer
Yasmeen Khan	-	Designer
Vineet Sharma	-	(Co-Ordinator, IMS)
Dr. Ekta Rastogi	-	(Co-Ordinator, IBS)

Mail us: amit.awasthi@srms.ac.in, www.srms.ac.in

13 km., Ram Murti Puram, Bareilly-Nainital Road, Bhojipura, Bareilly (U.P.) Mob.: 9458706090

इंजीनियरिंग कालेज के 20वें दीक्षांत समारोह में देव मूर्ति जी ने कहा
समय के साथ चलें और उसके अनुसार खुद को ढालें

स्कॉलरशिप हासिल करने वाले विद्यार्थियों के साथ चेयरमैन देव मूर्ति जी और अन्य अतिथि

- मुख्य अतिथि बने विक्रम विवि के कुलपति प्रोफेसर डा. अखिलेश कुमार पाण्डेय
- सीपी मिल्क एंड फूड प्रोडक्ट के एमडी जय कुमार अग्रवाल बने विशिष्ट अतिथि
- धामपुर शुगर मिल के वीपी सुदीप मजूमदार विशिष्ट अतिथि के रूप में आए

बरेली: यह युग डिजिटलाइजेशन का है। आपको भी इसके अनुसार खुद को ढालना और चलना पड़ेगा। इस प्रतियोगी युग में यदि आपको सफल होना है तो समय को पकड़ कर रखने की कोशिश करें। उसके अनुसार चलें। क्योंकि निकलने के बाद समय दोबारा वापस नहीं आता। यह संदेश एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति जी ने डिग्री हासिल करने वाले विद्यार्थियों को दीक्षांत समारोह के दौरान दिया। उन्होंने कहा कि यदि आपको अपने जीवन में कठोरता दिखे तो सोचें कि परमात्मा आपको अपने लक्ष्य तक पहुंचाने को प्रेरित कर रहे हैं। आप हवा का रूख नहीं बदल सकते, इसलिये सदैव हवा के साथ अपने जीवन की नाव को आगे बढ़ाने की कोशिश करें। जिन्दगी में अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिये एक नया रास्ता अपनायें एवं मिसाल कायम करें। देव मूर्ति जी ने कोविड महामारी के दौरान ट्रस्ट द्वारा की गई समाजसेवा का भी जिक्र किया और कोविड संक्रमितों के इलाज का भी।

दिलाई दीक्षा

श्री राममूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलाजी बरेली में आठ फरवरी (सोमवार) को स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय राममूर्ति जी के 111वें जन्मदिवस के अवसर पर श्री राम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट के इंजीनियरिंग महाविद्यालयों का बीसवां दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ। इसमें श्री राममूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलाजी (बरेली), श्री राममूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग टेक्नोलाजी एण्ड रिसर्च (बरेली) एवं श्री राममूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलाजी (उन्नाव) के बीटैक, बीफार्मा, एमबीए, एमसीए, एमटैक और एमफार्मा पाठ्यक्रमों के सत्र 2019-20 में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उपाधियां, प्रशस्ति पत्र एवं पदक वितरित किये गये। इस मौके पर प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्कालरशिप भी प्रदान की गई। समारोह में विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलपति प्रोफेसर डा. अखिलेश कुमार पाण्डेय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सीपी मिल्क एंड फूड प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड लखनऊ के एमडी जय कुमार अग्रवाल और धामपुर शुगर मिल लिमिडेट धामपुर के वीपी एचआर सुदीप मजूमदार विशिष्ट अतिथि के रूप में दीक्षांत समारोह में आए। विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में धामपुर शुगर मिल्स लिमिटेड के एचआर हेड आशीष शुक्ला एचआर हेड और वीमार्ट की एवीपी एचआर अंजली गोयल शामिल हुई। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने की। ट्रस्ट सचिव आदित्य मूर्ति जी ने सभी अतिथियों, अभिवावकों, डिग्रीधारियों, प्रेस प्रतिनिधियों एवं पूर्व छात्रों को धन्यवाद दिया। इस मौके पर कथक सम्राट जीतेंद्र महाराज जी, नलिनी और कमलिनी जी, ट्रस्टी आशा मूर्ति जी, ऋचा मूर्ति जी, प्रोफेसर श्यामल गुप्ता जी, सुरेश सुंदरानी जी, गुरु मेहरोत्रा जी, बरेली कालेज के प्राचार्य डा.अनुराग मोहन, चीफ प्रोक्टर डा.वंदना शर्मा, आईएमएस के प्रिंसिपल डा.एसबी गुप्ता जी, डा.अनुज कुमार जी सहित ट्रस्ट के विभिन्न संस्थानों के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्रो. अखिलेश पाण्डेय

अब चुनौतियों का सामना करने को तैयार रहे: प्रोफेसर अखिलेश पांडेय

प्रोफेसर डा. अखिलेश कुमार पाण्डेय ने दीक्षांत समारोह को यादगार अवसर बताया। उन्होंने कहा कि आज का दिन आपके ज्ञान और उत्कृष्ठता की खोज में कठिन परीश्रम का प्रमाण है। आज आप विविधताओं भरे संसार में अपने जीवन के नये अध्याय में प्रवेश कर रहे हैं जो अवसरों और चुनौतियों से भरा है। यहां आपको न केवल इन चुनौतियों का सामना करने को तैयार होना पड़ेगा। खुद के साथ लोगों का जीवन स्तर सुधारने में भी आपको अपनी भूमिका निभानी होगी। जीवन में आगे बढ़ने के लिए आपको उत्कृष्टता के साथ प्रयास करना होगा। प्रोफेसर पांडेय ने महाकवि तुलसी दास की पंक्तियों -तुलसी आये जगत में, जगत हंसे हम रोए। ऐसी करनी कर चले, आप हंसे जग रोए, का जिक्र कर विद्यार्थियों को सदकार्यों की प्रेरणा दी। उन्होंने स्वामी विवेकानन्द के शब्दों-कुछ कर गुजरने के लिऐ मौसम नहीं मन चाहिए। साधन सभी जुट जाएंगें संकल्प का मन चाहिए, का भी जिक्र किया। कहा कि संकल्प से ही सभी साधन जुट जाते हैं। ऐसे में संकल्पवान होना चाहिए।

डा.प्रभाकर गुप्ता ने उपलब्धियों का जिक्र कर पेश वार्षिक रिपोर्ट

एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग के डीन एकेडिमिक्स प्रोफेसर डा. प्रभाकर गुप्ता ने कालेज की उपलब्धियों का जिक्र किया और वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि विश्वव्यापी महामारी के बावजूद भी इस वर्ष दो राष्ट्रीय सेमिनार करवाए गए और एक-एक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का भी आयोजन महाविद्यालय द्वारा किया गया। 35 वेबीनार भी आयोजित हुए। इस वर्ष कालेज के शिक्षकों के 143 शोध पत्र विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जनरलों में प्रकाशित हुए। जिसमें से 45 शोध पत्रों को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेमिनारों प्रस्तुत किया गया। वर्ष 2019-20 में 85 प्रतिशत विद्यार्थियों ने विभिन्न राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में प्लेसमेंट भी हासिल किया।

निरंतर आत्म मूल्याकन और परिश्रम आवश्यक: मजूमदार

सुदीप मजूमदार

सुदीप मजूमदार ने विद्यार्थियों को सफलता के लिए विषय ज्ञान के साथ सामाजिक ज्ञान की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने अपने जीवन के संघर्ष और अनुभवों को साझा कर विद्यार्थियों को चुनौतियों के लिये हमेशा तैयार रहने की प्रेरणा दी। कहा कि मैं व्यापार के क्षेत्र में कई बार असफल हुआ हूं। इनसे ऊपर उठने के लिए निरंतर आत्म मूल्याकन और परिश्रम में निरन्तरता से ही आगे बढ़ना संभव हुआ। उन्होंने सफलता के लिए अच्छा श्रेता बनने का आह्वान किया। कहा कि जब हम किसी समस्या का समाधान ढूंढ़ना चाहते है तो पहले उसकी गहराई में जाना होगा। तब ही हम उसका निवारण कर सकते है। उन्होंने प्रस्तुतिकरण पर प्रकाश डालते हुये कहा कि जो दिखता है वह बिकता है।

धैर्य, विनम्रता और साहस से ही कामयाबी संभव: जय अग्रवाल

जय अग्रवाल

जय कुमार अग्रवाल ने अपने जीवन के अनुभवों और जीवन के आयामों का जिक्र कर विद्यार्थियों को सफलता के लिए प्रेरित किया। कहा कि असफलता के बाद ही सफलता मिलती है। उन्होंने कहा कि हमें जीवन की चुनौतियों का निर्भीक होकर सामना करना चाहिए। मनुष्य जीवन की आधारशिला धैर्य ही होनी चाहिए। विद्यार्थी जीवन में मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ होना बेहद जरूरी है। छात्र जीवन में कुछ पाने का जनून होना चाहिए। विन्रमता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपने जीवन में विन्रम रहना चाहिए। जय अग्रवाल जी ने अपने उपरोक्त बिन्दुओं पर विस्तार से छात्रों को समझाया और जीवन में आगे बढ़ने के सफलता के सूत्र बताये।

दीक्षांत समारोह में उपस्थित जय अग्रवाल, प्रो. अखिलेश पाण्डेय, एसआरएमएस ट्रस्ट देव मूर्ति जी और सुदीप मजूमदार

दीक्षांत समारोह में मैडल और स्कॉलरशिप हासिल करने वाले प्रतिभाशाली

एसआरएमएस ट्रस्ट देव मूर्ति जी ने स्पोर्ट्स में बेहतरीन प्रदर्शन करने पर सीईटीआर की छात्रा रूचि बोहरा को दिया विशेष पुरस्कार व ट्राफी

- श्री राममूर्ति गोल्ड मैडल एवं 51 हजार रुपये: अनुष्का अग्रवाल (89.41 %, ईसी बीटेक, सीईटी)
- श्री राममूर्ति गोल्ड मैडल एवं 51 हजार रुपये: अनिरुद्ध मिश्रा (82.90 %, सीएस बीटेक, सीईटीआर)
- श्री राममूर्ति गोल्ड मैडल एवं 21 हजार रुपये: आयशा खान (86.64 %, बीफार्मा, सीईटी)
- श्री राममूर्ति गोल्ड मैडल एवं 21 हजार रुपये: पूजा अग्रवाल (87.62 %, एमसीए, सीईटी)
- श्री राममूर्ति गोल्ड मैडल एवं 21 हजार रुपये: लवी खंडेलवाल (77.06 %, एमबीए, सीईटी)
- श्री राममूर्ति गोल्ड मैडल एवं 21 हजार रुपये: मधु (82.30 %, ईसी बीटेक, सीईटीआर)
- श्री राममूर्ति गोल्ड मैडल एवं 21 हजार रुपये: आशुतोष शर्मा (78.60 %, ईई बीटेक, सीईटीआर)
- श्री राममूर्ति गोल्ड मैडल (आल राउंडर) रजत गुप्ता (80.90 %, सीएस बीटेक, सीईटीआर)
- श्री राममूर्ति गोल्ड मैडल: अनिरुद्ध मिश्रा (82.90 %, सीएस बीटेक, सीईटीआर)
- श्री राममूर्ति सिल्वर मैडल: अमन नागपाल (88.13 %, आईटी बीटेक, सीईटी)
- श्री राममूर्ति सिल्वर मैडल: कनिका बिरला (85.53 %, बीफार्मा, सीईटी)
- श्री राममूर्ति सिल्वर मैडल: सृष्टि गुप्ता (85.19 %, एमसीए, सीईटी)
- श्री राममूर्ति सिल्वर मैडल: अनु शर्मा (76.49 %, एमबीए, सीईटी)
- श्री राममूर्ति सिल्वर मैडल: मधु (82.30 %, ईएस बीटेक, सीईटीआर)
- श्री राममूर्ति ब्रांच मैडल: अनिल कुमार (87.94 %, सीएस बीटेक, सीईटी)
- श्री राममूर्ति ब्रांच मैडल: अर्पिता भारद्वाज (84.88 %, बीफार्मा, सीईटी)
- श्री राममूर्ति ब्रांच मैडल: नताशा गुप्ता (83.64 %, एमसीए, सीईटी)
- श्री राममूर्ति ब्रांच मैडल: लवलीन अग्रवाल (73.65 %, एमबीए, सीईटी)
- श्री राममूर्ति ब्रांच मैडल: आकिब जावेद (81.40 %, सीएस बीटेक, सीईटीआर)
- प्रेम प्रकाश गुप्ता चौरिटेबिल फाउंडेशन गोल्ड मैडल: फहद सऊद (82.60 %, ईएन बीटेक, सीईटी)
- इंजीनिर सुभाष मेहरा गोल्ड मैडल व 21 हजार रुपये: अनिल कुमार (87.94 %, सीएस बीटेक, सीईटी)
- डा.उषा मेहरा गोल्ड मैडल: अनुष्का अग्रवाल (89.41 %, ईसी बीटेक, सीईटी)
- इंजीनियर पीएन गुप्ता गोल्ड व 21 हजार रुपये: उत्कर्ष गुप्ता (85.35 %, ईएन बीटेक, सीईटी)
- लक्ष्मी भूषण वार्ष्णेय गोल्ड मैडल व 21 हजार रुपये: अमन नागपाल (88.13 %, आईटी बीटेक, सीईटी)
- डा.आशा गुप्ता गोल्ड मैडल व 21 हजार रुपये: आकाश गुप्ता (87.08 %, एमई बीटेक, सीईटी)
- विशेष पुरस्कार (स्पोर्ट्स) प्रेरणा शुक्ला (बीटेक, ईसी सीईटी)
- विशेष पुरस्कार (स्पोर्ट्स) रुचि बोहरा (ईसी बीटेक, सीईटीआर)

यह मिली दीक्षा

सत्य बोलो।
धर्म का आचरण करो।
स्वाध्याय से प्रमाद मत करो।
माता को देवता मानों।
पिता को देवता मानों।
आचार्य को देवता मानों।
अतिथि को देवता मानों।
जो हमारे अच्छे आचरण हैं, वे ही तुम्हारे द्वारा ग्रहणीय हैं, अन्य नहीं।
यही आदेश है, यही यही उपदेश है, यही अनुशासन है।
तुम्हारा पथ मंगलमय हो।

स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी के 111वें जन्मदिन पर एसआरएमएस के 17वें संस्थान का उद्घाटन

धूमधाम से हुआ रिद्धिमा का लोकार्पण

रिद्धिमा के लोकार्पण में एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी और ट्रस्टी आशा मूर्ति जी के साथ उपस्थित कथक गुरु जितेन्द्र महाराज जी, शायर वसीम बरेलवी जी, शब्बू मियां जी, ऋचा मूर्ति जी, नलिनी और कमिलनी जी

● कथक गुरु जितेंद्र महाराज, शायर वसीम बरेलवी और शब्बू मियां ने किया लोकार्पण
● शास्त्रीय नृत्य, शास्त्रीय वादन, ललित कला व थिएटर को मिलेगा रिद्धिमा से संरक्षण

प्रो. वसीम बरेलवी जी

शब्बू मियां जी

बरेली: स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय राम मूर्ति जी के 111वें जन्मदिन पर 8 फरवरी को एसआरएमएस ट्रस्ट ने अपने 17वें संस्थान का लोकार्पण किया। इसे कथक गुरु जितेंद्र महाराज, शायर वसीम बरेलवी और शब्बू मियां ने समाज को समर्पित किया। ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी ने रिद्धिमा के निर्माण की वजह बताई। उन्होंने कहा कि उनके पिता स्वतंत्रता सेनानी आदरणीय राम मूर्ति जी ललित कलाओं और सांस्कृतिक विरासत को समाज के विकास के लिए महत्वपूर्ण मानते थे। उन्हीं की स्मृति में रिद्धिमा बनाने का संकल्प लिया और आज उनके 111वें जन्मदिन पर इसका लोकार्पण किया जा रहा है। यह बरेली की सांस्कृतिक जरूरत को पूरा करने का काम करेगा। यहां शास्त्रीय नृत्य और वादन के साथ ललित कलाओं की शिक्षा भी दी जायेगी।

इस मौके पर कथक गुरु जितेंद्र महाराज ने रिद्धिमा के लोकार्पण पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, जिसके अंदर समाज और दूसरों के मदद की शक्ति होती है, उसके सारे संकल्प पूरे होते हैं। देव मूर्ति जी भी ऐसे ही संकल्पवान व्यक्ति हैं। मैं बरेली का होने के बाद भी कथक के लिए बरेली को छोड़ कर चला गया। लेकिन देव मूर्ति जी कथक सहित कई शास्त्रीय नृत्य और वादन के साथ ललित कलाओं को भी बरेली ले आए। अब इन कलाओं को सीखने के लिए किसी को भी दिल्ली या लखनऊ नहीं जाना पड़ेगा। मैं देव मूर्ति जी के हर बुलावे पर बरेली आकर यहां आकर बच्चों को सिखाने का वायदा करता हूं।

शायर वसीम बरेलवी ने रिद्धिमा को हवा का झोंका करार दिया। उन्होंने राम मूर्ति जी को भी याद किया। उनके साथ गुजारे दिनों का जिक्र किया। कहा कि आज की पीढ़ी भले ही राम मूर्ति जी के बारे में कम जानती हो, लेकिन अगर किसी ऐसे व्यक्ति को जानना हो जो आपके बीच न हो तो इसके लिए उसकी औलाद को देखना चाहिए। क्योंकि वह अपने बाप का आइना होता है। आप भी देव मूर्ति जी को देख कर राम मूर्ति जी के व्यक्तित्व का अंदाजा लगा सकते हैं। उनकी जीवटता और आदर्शों को जान सकते है। वसीम बरेलवी ने आदर्श हिंदुस्तानी बनने के लिए संस्कारों को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि यह कला के माध्यम से ही मिलते है। रिद्मिा लोगों को कला से जोड़ कर संस्कारित करेगा। इस अनूठे प्रयास के लिए देव मूर्ति जी को शुभकामनाएं। वसीम बरेलवी ने अपना शेर सुनाकर अपनी बात खत्म की। कहा– आसमां इतनी बुलंदी पर जो इतराता है, भूल जाता है जमीं से ही नजर आता है। शब्बू मियां ने अपने संबोधन में कहा कि आज कल

अखबार खोलने से डर लगता है। इनमें सिर्फ सियासी और क्राइम की खबरों की भरमार मिलती है। इसे साझा विरासत और कल्चरल इवेंट से ही दूर किया जा सकता है। ऐसे में देव मूर्ति जी का प्रयास उम्दा है। बरेली में कल्चरल इवेंट आयोजित करना अब संभव होगा। रिद्धिमा का प्रयास समाज में बदलाव लाएगा। समाज के पास फिर से अपनी साझा विरासत को जानने और समझने का मौका मिलेगा। कथक नृत्यांगना नलिनी और कमलिनी भी रिद्धिमा के लोकार्पण में मौजूद रहीं। नलिनी ने इसे बरेली के लिए एतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि बरेली की पैदाइश होने के नाते वह यहां आने की वजह खोजती रहती हैं। एसआरएमएस ट्रस्ट ने बरेली में संगीत और ललित कला को समर्पित संस्थान के लोकार्पण पर बुला कर मुझे फिर यहां आने का मौका दिया। रिद्धिमा बरेली में सांस्कृतिक गतिविधियों की कमी पूरी कर समाज के मानसिक विकास में योगदान देगा। रिद्धिमा के लोकार्पण पर यहां के गुरुजनों ने शानदार प्रस्तुतियां देकर उपस्थित अतिथियों को आश्चर्यचकित कर दिया। डॉ.उषा तिवारी, पंकज शर्मा ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। अंबाली प्रहराज ने भरतनाट्यम की प्रस्तुति दी। जबकि अंबुज कुकरेती के निर्देशन में एकांकी छतरियां को प्रस्तुत किया गया। अमृत मिश्रा ने कथक के माध्यम से भावपूर्ण प्रस्तुति दी। अंत में आदित्य मूर्ति जी ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्टी आशा मूर्ति जी, ऋचा मूर्ति जी, प्रोफेसर श्यामल गुप्ता जी, गुरू मेहरोत्रा व सुदेश सुंदरानी सहित शहर के गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डा.अनुज कुमार ने किया।

जितेन्द्र महाराज जी

भरतनाट्यम

कथक

सरस्वती वंदना

एकांकी छतरियां

अतिथियों का स्वागत

एसआरएमएस रिद्धिमा में देर शाम तक चली वसंतोत्सव की महफिल

बरेली में उतरा संगीत का बनारस घराना

देवीशा

- दो दिवसीय चित्रोत्सव प्रतियोगिता के विजेताओं की हुई घोषणा
- अंशिका अग्रवाल और वार्नी शुक्ला ने हासिल किया प्रथम स्थान

बरेली। एसआरएमएस रिद्धिमा में पहली सांस्कृतिक संध्या वसंतोत्सव का आयोजन 27 फरवरी (शनिवार) को हुआ। इसमें विशेष रूप से बरेली आए संगीत के बनारस घराने के कलाकारों ने अपने हुनर के साथ सांस्कृतिक धरोहर को प्रस्तुत किया और वाहवाही लूटी। कथक की मात्र 15 कक्षाओं में ली शिक्षा को देवीशा ने नृत्य के जरिये प्रस्तुत कर दिग्गज कलाकारों के साथ सभागार में उपस्थित सभी दर्शकों का भी आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में दो दिनी चित्रोत्सव प्रतियोगिता के विजेताओं की भी घोषणा हुई। जिसमें कनिष्ठ वर्ग में अंशिका अग्रवाल और वरिष्ठ वर्ग में वार्नी शुक्ला ने प्रथम स्थान हासिल किया।

स्टेडियम रोड पर स्थापित एसआरएमएस रिद्धिमा के आडिटोरियम में सांस्कृतिक संध्या वसंतोत्सव का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी, सचिव आदित्य मूर्ति, आशा मूर्ति और ऋचा मूर्ति जी ने किया। दीप प्रज्वलन के बाद पहली प्रस्तुति मां सरस्वती को समर्पित हुई। डा. उषा तिवारी ने सरस्वती वंदना 'या कुंदेंदु तुषार हार धवला...' को अपने स्वर में प्रस्तुत किया। गायिका इंदू परडल ने फिल्म 'आये दिन बहार के' में लता मंगेशकर द्वारा गाये गीत 'सुनो सजना पपीहे ने...' को अपने स्वरों से संवारा। दूसरी प्रस्तुति में उन्होंने डा. पंकज शर्मा के साथ 'लो फिर वसंत आयी, फूलों पे रंग लायी...' गीत को भी स्वर देकर श्रोताओं की वाहवाही लूटी। भरत नाट्यम नृत्यांगना अंबाली प्रहराज ने गायक डा.पंकज शर्मा के स्वर से सजे कबीर के भजन 'लागा चुनरी में दाग छुपाऊं कैसे' पर भावपूर्ण प्रस्तुति देकर सभागार को आध्यात्मिक रस से सराबोर किया तो आनंद मिश्रा और शिव शंभू कपूर ने तबले पर जुगलबंदी प्रस्तुत कर सभागार में मौजूद सभी लोगों को आश्चर्य में डाला। डा.पंकज मिश्रा के स्वर में प्रस्तुत नटराज शिव की वंदना 'शांताकारं भुजग शैनं...' पर अमृत मिश्रा ने कथक पर भावपूर्ण प्रस्तुति दी। अमृत मिश्रा ने बनारस से आई श्रेयांशी और अपनी शिष्या देवीशा व मृदु शाह के साथ भी प्रस्तुति दी। जिसमें शिष्याओं ने गुरु का नाम सार्थक करते हुए दर्शकों का आशीर्वाद लिया। बनारस घराने की श्वेता चौधरी ने भरतनाट्यम के जरिये 'गणानां त्वा गणपतिं हवामहे' को प्रस्तुत किया। साथ ही होली गीत होली 'खेलत है गिरधारी' पर भरतनाट्यम नृत्य कर सभागार में मौजूद सभी लोगों को होली की याद दिला दी। बनारस घराने के वासु कृष्ण महाराज ने अपने छोटे भाई वैभव कृष्ण महाराज के साथ कथक नृत्य से एक साथ विशेष प्रस्तुतियां दी। सांस्कृतिक संध्या का संचालन सेंटर हेड डा. कविता अरोरा ने किया। कार्यक्रम में हेड क्वार्टर उत्तर भारत एरिया के मेजर जनरल सबरी गिरीश और ब्रिगेडियर मोहन लाल, गुरु मेहरोत्रा, शहर के गणमान्य लोग, एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थानों के विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

इंदू परडल

वासु एवं वैभव कृष्ण

श्रेयांशी

एसआरएमएस कालेज आफ नर्सिंग में ब्रिगेडियर डा.अमूल कपूर ने कहा...

मुस्कराहट देकर आपको मरीजों से मिलेगा आशीर्वाद

नर्सिंग प्रोफेशन में रम जाने से ही मिलेगा सम्मान: देव मूर्ति जी

लैम्प लाइटिंग समारोह में उपस्थित ब्रिगेडियर डॉ. अमूल कपूर एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी व आदित्य मूर्ति जी

- एसआरएमएस नर्सिंग कालेज में लैंप लाइटिंग और शपथ ग्रहण समारोह
- ट्रस्ट की ओर से विद्यार्थियों को दी गई तीन लाख की स्कॉलरशिप

बरेली: एसआरएमएस कालेज आफ नर्सिंग में छह फरवरी को कैपिंग, लैंप लाइटिंग और शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। इसमें नर्सिंग कालेज की असिस्टेन्ट प्रोफेसर वेरिवम चेनु हेन्थोई ने जीएनएम के 15वें बैच और बीएससी नर्सिंग के चतुर्थ बैच के विद्यार्थियों को मानवता की सेवा करने की शपथ दिलाई। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से 14 विद्यार्थियों को तीन लाख रुपये स्कालरशिप के रूप में प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए मिलिट्री हास्पिटल बरेली के कमांडेंट ब्रिगेडियर डा.अमूल कपूर ने विद्यार्थियों को मेहनत कर किस्मत बदलने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रोफेशन में आपको रुपया पैसा ज्यादा भले न मिले लेकिन आप मुस्कराहट देकर मरीजों से आशीर्वाद हासिल कर सकते हैं। हालांकि यह आसान रास्ता नहीं है। इसके लिए जिंदगी भर कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। धैर्य रखना पड़ेगा। हताशा भी होगी, आप निराश भी होंगे लेकिन, खुद पर भरोसा कर मेहनत करने से सफलता हासिल होगी। नर्सिंग का प्रोफेशन डाक्टर और मरीज के बीच की कड़ी है। दोनों की जरूरत अच्छा नर्सिंग अटैंडेंट ही होता है। मरीज की जिम्मेदारी उठाते वक्त आपको घड़ी की सुइयों की ओर से ध्यान हटाना पड़ेगा। खुद को मरीजों की सेवा में समर्पित करना पड़ेगा। यह सबके बस की बात नहीं लेकिन आप इस प्रोफेशन को अपना कर दूसरों से अलग खड़े हो गए हैं। आपने खुद को विशिष्ट बना लिया है। इसके लिए आशीर्वाद।

एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने नर्सिंग प्रोफेशन में अपने बच्चों को भेजने के लिए अभिभावकों को बधाई दी और विद्यार्थियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सृष्टि का नियम हैं कि बिना छोड़े कुछ नहीं मिलता। यहां भी यही नियम लागू होता है। नर्सिंग में सेवाभाव ही सबसे ऊपर है। इसके लिए स्वहित छोड़ने पड़ते हैं। समय की दीवारों से बाहर निकल कर मरीजों की सेवा करनी पड़ती है। तभी यहां आशीर्वाद मिलता है। आपको भी नर्सिंग प्रोफेशन में रम जाने से यह मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज

यहां से निकले विद्यार्थी देश विदेश के उच्च मेडिकल संस्थानों में अपने साथ बरेली और एसआरएमएस का नाम रोशन कर रहे हैं। सेवाभाव से ही उन्होंने अपने और अपने परिवार के लिए पहचान बनाई है। आपको भी यह सब हासिल होने वाला है।

एसआरएमएस ट्रस्ट सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति जी ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि फ्लोरेंस नाइटिंगल ने नर्सिंग सेवा की शुरुआत की, जो आज भी प्रचलन में है। उन्होंने एसआरएमएस ट्रस्ट द्वारा विद्यार्थियों को दी जा रही स्कालरशिप का भी जिक्र किया। कहा कि 11 हजार रुपये से शुरू हुई स्कालरशिप की राशि बढ़ कर 3.5 करोड़ प्रतिवर्ष पहुंच चुकी है। ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थी इसे हासिल करें यही हमारी इच्छा है। आदित्य जी ने कोविड महामारी के दौरान नर्सिंग स्टाफ की चुनौतियों और कामों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मेडिकल कालेज में भर्ती कोविड संक्रमित मरीजों के लिए उस दौरान नर्स ही माता पिता थे और रिश्तेदार भी। इन्हीं की बदौलत मरीजों का उपचार संभव हुआ है। नर्सिंग स्टाफ हेल्थ प्रोफेशन में रीढ़ की हड्डी है। आप सबकी जिम्मेदारियां बड़ी हैं। आप यहां स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम में हैं। लगातार सीखते रहें। इसी से आप अपने काम को बेहतर कर सकेंगे। नर्सिंग कालेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर शमसाद आलम ने सभी का स्वागत किया और नर्सिंग कालेज के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

इससे पहले देव मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी, ब्रिगेडियर डा. अमूल कपूर, एसआरएमएस मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डा. एसबी गुप्ता, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा. आरपी सिंह, चीफ नर्सिंग सुपरिंटेंडेंट ब्रिगेडियर लीना कुमारी, नर्सिंग कालेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर शमसाद आलम ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित किया। इसके बाद ओथ सेरेमनी आरंभ हुई। सभी को मानवता की सेवा की शपथ दिलाई गई। बच्चों ने नीले गगन में चमके हैं तारे गीत प्रस्तुत किया। नर्सिंग सुपरिंटेंडेंट ब्रिगेडियर लीना कुमारी ने फ्लोरेंस नाइटिंगेल की याद के बिना सेरेमनी को अधूरा बताया। उन्होंने फ्लोरेंस के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी और नर्सिंग पेशे के संस्कार बताए। इस मौके पर प्रिंसिपल मेट्रन लैफ्टीनैन्ट कर्नल इलियम्मा वीजी, डीन एकेडिमिक्स, डा.प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज कुमार संस्थान के सभी छात्र एवं छात्रायें उपस्थित रहे। अन्त में एसोसिएट प्रोफेसर अनीश चन्द्रन ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया।

स्कॉलरशिप

इन्हें मिली स्कालरशिप

सुजाता (80.85 प्रतिशत, बीएससी नर्सिंग), 30 हजार रुपये
पूजा गौतम (75.00 प्रतिशत, बीएससी नर्सिंग), 25 हजार रुपये
किरनदीप (75.23 प्रतिशत, बीएससी नर्सिंग), 25 हजार रुपये
अंशिका लाल (83.16 प्रतिशत, जीएनएम), 20 हजार रुपये
किरनजीत कौर (83.00 प्रतिशत, जीएनएम), 20 हजार रुपये
सत्यवती देवी (82.83 प्रतिशत, जीएनएम), 20 हजार रुपये

साक्षी सिंह और गौरिश मिस और मिस्टर फ्रेशर

शपथ ग्रहण समारोह के बाद नर्सिंग कालेज में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन हुआ। गीत संगीत की इस महफिल में विद्यार्थियों ने कई इवेंट हुए। साक्षी सिंह को मिस फ्रेशर चुना गया जबकि गौरिश गंगवार मिस्टर फ्रेशर बने। इवेंट जज प्रियंका विल्सन, वेरिवम चेनु हेन्थोई और मयंक कुमार ने हंसा को मिस ईव चुना।

फ्रैशर पार्टी

लैम्प लाइटिंग

सफेद कोट में विद्यार्थियों ने ली महर्षि चरक की शपथ

व्हाइट कोट

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में एमबीबीएस के नए विद्यार्थियों के लिए व्हाइट कोट सेरेमनी मनाई गई। 6 फरवरी को इस आयोजन में मेडिकल कालेज के 16वें बैच के विद्यार्थियों को व्हाइट कोट पहनाया गया और सभी ने मरीजों के उपचार के लिए महर्षि चरक की शपथ ली। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने विद्यार्थियों का स्वागत किया और आश्वासन दिया कि आप हिंदुस्तान के गिने चुने मेडिकल कालेजों में से एक में हैं। यहां आपको हमेशा कुछ न कुछ नया सीखने को मिलेगा। आप यहां से बेस्ट डाक्टर बन कर निकलेंगे। उन्होंने कहा कि गुरु शिष्य की परंपरा के तहत आप अपना घर छोड़ कर यहां मेडिकल शिक्षा हासिल करने आए हैं। राम भी शिक्षा हासिल करने गुरुकुल गए थे। आप भी उन्हीं की तरह तप कर यहां से निकलेंगे। यहां मेडिकल की पूर्ण बेसिक शिक्षा आपको दी जाएगी। आप कितना हासिल करेंगे यह आप पर ही निर्भर है। इसके लिए समय के महत्व को समझें और खुद की कीमत पहचान कर पढ़ाई पर फोकस करें। इसी से आप दुनिया के सर्वश्रेष्ट डाक्टर बनने में कामयाब हो जाएंगे। मरीजों का उपचार करते हुए आप उन पर एहसान की भावना न रखें, बल्कि उन्हें उनके हिस्से की खुशी प्रदान करने की सोचें, आपको अपने हिस्से की खुशी खुद ही मिल जाएगी। मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डा.एसबी गुप्ता ने विद्यार्थियों को महर्षि चरक की शपथ दिलाई और विद्यार्थियों को मरीजों को सर्वप्रथम मानने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मेडिकल की पढ़ाई के दौरान की गई आपकी मेहनत ही आपको बेस्ट डाक्टर बनाएगी। इस व्हाइट कोट को अपनी सेकेंड स्किन और कालेज को सेकेंड होम मानने से ही यह सफलता मिलेगी। हां इसके लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा। इस मौके पर एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा.आरपी सिंह, डीन यूजी डा.रोहित शर्मा, डीन पीजी डा.पियूष अग्रवाल, प्राक्टर डा.एनके अरोरा, डीएसडब्ल्यू डा.अतुल कुमार सहित सभी विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

शपथ ग्रहण

डाक्टर बन कर करें समाज और देश सेवा: आदित्य मूर्ति

सरस्वती पूजन

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में दो फरवरी को एमबीबीएस के नए विद्यार्थियों का स्वागत किया गया। कालेज के आडिटोरियम में आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में विद्यार्थियों और उनके परिजनों को एमबीबीएस पाठ्यक्रम, कालेज के नियमों की जानकारी दी गई। मेडिकल कालेज के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति ने विद्यार्थियों को चिकित्सकीय पेशा चुनने के लिए बधाई दी और सभी से डाक्टर बन कर समाज और देश सेवा में लगने का आह्वान भी किया।

आदित्य मूर्ति ने विद्यार्थियों को एसआरएमएस परिवार से जुड़ने और इसके गौरवशाली भविष्य का हिस्सा बनने पर भी बधाई दी। कहा कि यहां अध्ययन कर डाक्टर के रूप में अपनी और अपने परिवार की इच्छाएं पूरी करें और भविष्य में समाज और देश को स्वस्थ बनाने में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान सफेद एप्रेन पहनने के बाद बाहर से आया हुआ कोई भी मरीज और उसका तीमारदार नहीं जानेगा कि आप डाक्टर हैं या स्टूडेंट। ऐसे में चुनौतीपूर्ण और बड़ी जिम्मेदारी आप पर होगी। कालेज के प्रिंसिपल डा.एसबी गुप्ता ने विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम और नियमित अध्ययन से श्रेष्ठ मुकाम हासिल करने की बात कही। इसके लिए श्लोक काक चेष्टा बको ध्यानं, श्वान निद्रा तथैव च, अल्पहारी गृह त्यागी, विद्यार्थी पंच लक्षणं का जिक्र किया। कहा कि इन पर अमल कर सीखने और निरंतर आगे बढ़ने से यह आसानी से हासिल किया जा सकता है। एसआरएमएस मेडिकल कालेज के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा.आरपी सिंह ने विद्यार्थियों को कालेज लाइफ को अनुशासन के साथ इंज्वाय करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि रूल्स और रेगुलेशन सबके लिए जरूरी हैं। यह हम सबके लिए भी हैं और आपके लिए भी। अनुशासन में रहें। क्योंकि मेडिकल पेशा अनुशासन और पैशन है। यही हमें बेस्ट डाक्टर बनाता है। कालेज के डीन यूजी डा.रोहित शर्मा ने मेडिकल पाठ्यक्रम, उससे जुड़े नियमों की जानकारी दी। साथ ही 80 फीसद अटेंडेंस पर जोर दिया। चीफ प्राक्टर डा.एनके अरोड़ा ने कहा कि हमारा कैंपस रैगिंग फ्री है। इसके खिलाफ जीरो टालरेंस नीति लागू होने से बेखौफ होकर पढ़ाई करें। वार्डन डा.अमित राना और वार्डन डा. मृदुल सिन्हा ने हास्टल से संबंधित नियमों की जानकारी दी और सभी से इनका पालन करने का आह्वान किया। इस मौके पर डीन पीजी डा.पियूष अग्रवाल और डीएसडब्ल्यू डा.अतुल कुमार सहित सभी विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

एसआरएमएस आईएमएस में दो दिवसीय वेंटिकान 2021 में आदित्य मूर्ति जी ने कहा

वेंटिलेटर से ही कोविड मरीजों को बचाना हुआ संभव

- दुबई, जमैका समेत देश के तीन सौ से ज्यादा डाक्टर हुए शामिल
- विशेषज्ञों ने वेंटिलेटर से संबंधित रिसर्च की जानकारी दे बताया महत्व

बरेली: एसआरएमएस इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज में दो दिवसीय वेंटिकान 2021 पांच और छह फरवरी को संपन्न हुआ। वेंटिलेशन पर फोकस इस हाइब्रिड कांफ्रेंस में देश विदेश से तीन सौ से ज्यादा डाक्टरों ने हिस्सा लिया। पीडियाट्रिक विभाग द्वारा आयोजित इस कांफ्रेंस में दुबई और जमैका के डाक्टर भी आनलाइन शामिल हुए। कार्यक्रम में एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति ने कहा कि कोविड महामारी में लोग क्रिटिकल केयर के महत्व को समझने के साथ वेंटिलेटर शब्द से भी परिचित हो गए हैं। इन्हीं वेंटीलेटर की बदौलत गंभीर कोविड संक्रमितों की जान बचाना संभव हुआ है। वेंटिलेटर के संबंध में स्किल अपग्रेड करने के लिए यह कांफ्रेंस बेहतर माध्यम है।

दो दिवसीय वेंटिकान 2021 के पहले दिन पांच फरवरी को आनलाइन और आनसाइड ट्रेनिंग की इस कांफ्रेंस का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति, प्रिंसिपल डा.एसबी गुप्ता, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा.आरपी सिंह, पीडियाट्रिक विभाग के एचओडी प्रोफेसर डा.पीएल प्रसाद, ज्वाइंट सेक्रेटरी डा.सुरभि चंद्रा, डा.अनीता कुमारी ने किया। डा.पीएल प्रसाद ने कांफ्रेंस की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रति वर्ष अक्टूबर महीने में पीडियाट्रिक विभाग की ओर से इस राष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन किया जाता है। पिछले वर्ष कोविड महामारी के चलते यह कांफ्रेंस नहीं हो पाई। इसे अब वेबिनार के रूप में किया जा रहा है। इसके बाद भी इसमें तीन सौ से ज्यादा डेलीगेट्स रजिस्टर करा चुके हैं। इसमें दुबई और जमैका के डेलीगेट्स शामिल हैं। इतनी बड़ी संख्या में देश के विभिन्न कोनों से डाक्टरों का इस कांफ्रेंस में शामिल होना हमारे मेडिकल कालेज की प्रतिष्ठा को दर्शाता है। प्रिंसिपल डा.एसबी गुप्ता ने उद्घाटन सत्र में सभी का स्वागत किया और सेमिनार व वेबिनार के माध्यम से कांफ्रेंस व वर्कशाप पर जोर दिया। कार्यक्रम की ज्वाइंट सेक्रेटरी डा.सुरभि चंद्रा ने हाइब्रिड कांफ्रेंस में शामिल सभी डेलीगेट्स का धन्यवाद किया।

कांफ्रेंस में एसजीपीजीआई लखनऊ स्थित नियोनेटोलाजी के पूर्व विभागाध्यक्ष व हिमालयन इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज देहरादून में कार्यरत डा.गिरीश गुप्ता ने उद्घाटन संबोधन दिया। उन्होंने पीपीटी के जरिये रेस्पिरेशन मैकेनिज्म बताई और इसके माध्यम से वेंटिलेशन को एक्सप्लेन किया। उन्होंने रेस्पिरेशन के लिए विटामिन और मिनरल सहित जरूरी पोषक तत्वों की भी जानकारी दी। चंडीगढ़ कमांड हास्पिटल के पीडियाट्रिक एचओडी कर्नल डा.संदीप ढींगरा, देहरादून मिलिटरी हास्पिटल के डा.आशीष मिमल्ती, गुजरात स्थित भैकाका विवि की पीडियाट्रिक एचओडी डा. कृतिका राहुल टंडन और एसआरएमएस मेडिकल कालेज के पीडियाट्रिक एचओडी ब्रिगेडियर डा.पीएल प्रसाद ने भी कांफ्रेंस के पहले दिन उपस्थित डेलीगेट्स को संबोधित किया। वेंटिकान 2021 के दूसरे दिन छह फरवरी को डा. मिनिंदर धालीवाल, एसजीपीजीआई लखनऊ की डा.अनीता सिंह, डा.आशीष मिमल्ती और डा.संदीप ढींगरा ने वेंटिलेटर पर विशिष्ट जानकारी दी। वेंटिकान 2021 में 308 प्रतिभागी आनलाइन शामिल हुए। सभी ने बढ़ चढ़कर सवाल पूछे और कार्यक्रम को सराहा। समापन समारोह में अपना फीडबैक दिया और भविष्य में ऐसी कांफ्रेंस की मांग रखी।

श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट द्वारा आयोजित कहानी प्रतियोगिता 2016 में प्रथम स्थान प्राप्त कहानी

बंटवारा

लेखक- वीरेंद्र कुमार चतुर्वेदी, पता- ग्राम व पोस्ट बेहटा (सफदरगंज), बाराबंकी, उप्र

(जनवरी माह में प्रकाशित कहानी बंटवारा का अंतिम भाग)

काकी ने अपनी फटी धोती के पल्लू से अपनी आंखों की कोरें साफ कीं, जो बार बार डबडबा कर भर आती थीं। धीरे से उठीं और जाकर आहाते में टूटे खपरैल में पड़ी एक चारपाई पर लेट गई। दिन बीतने लगे। काकी भी अपना दुख भूल कर फिर से एक मजबूत महिला की तरह जिंदगी की आपाधापी में पुन: रमने लगीं। ईश्वर ने क्या माया रची है। कुछ समय की दुख रूपी बदली के बाद मानव पुन: उसी खेल में व्यस्त हो जाता है। गांव के सरपंचों ने पंचायत कर जो आधी जमीन उन्हें दी थी। उसी में बटाइया आधे पर ऊख बोआ दी थी, कुछ गेहूं भी बोया था। गांव के मुखिया ने काकी का नाम सरकार राशन रजिस्टर में दर्ज करा दिया था, जहां से प्रत्येक माह काकी को अनाज मिल जाता था। बस पेट रूपी आग इसी से बुझ जाती थी। यह वही पेट था, जिसके कारण रघुवा ने अपनी मां को बंटवारा कर अलग कर दिया था। बहू बसंती अब बहुत खुस रहने लगी थी। कारण जी का जंजाल बुढ़िया सदा सदा के लिए उससे दूर जो हो गई थी। काकी जब चूल्हे पर रोटी व चावल पकाती तो कभी कभी मुनिया चुपके से अपनी दादी को झांकने आ जाती थी। एक दिन काकी ने देक लिया जैसे उसे बुलाना चाहा, वह पिटाई के डर से भाग कर अपने बापू के पास भाग गई। वह अगले दिन आहाते में नहीं गई। उसे डर था कि कहीं दादी बापू से न कह दें। वाह रे दुनिया जब बंटवारे में लोग अपने छोटे व अबोध बच्चों तक को मैकमोहन रेखा सरीखी सरहदें सिखा देते हैं। एक दिन मुनकी काकी ने आहाते में आई मुनिया को पकड़ लिया। मुनिया डर कर रोने लगी। काकी ने उसे सहलाया और खुद रोने लगीं। बस फिर क्या था थोड़े ही समय में मुनिया और काकी एक दूसरे के पर्याय बन गए। अब मुनिया अपने बापू के सामने भी काकी के पास एक दो बार आई और उसके बापू ने उसे कुछ नहीं कहा। हां इसके विपरीत उसकी मां ने जरूर उसे दो-चार बार पीट दिया था।

आज मुनिया बहुत खुश थी। काकी के गले में गलबइहा डाल झूल गई और तोतली भाषा में बोली, दादी धल में मुन्ना आएगा या मुन्नी, बाबू कह लहा था। यह सुनकर काकी हैरानी से मुनिया से पूछ बैठीं, क्यूं री मुनिया तेरी मां ठीक तो हैं ना। देखना मुन्ना ही आएगा। दादी की बात सुनकर मुनिया बहुत खुश हुई। अब काकी को छोटी बहू की चिंता होने लगी। एक दिन हिम्मत करके रघुवा से पूछ बैठी, सुना है बहू को कुछ नान-कून है रे। थोड़ा ख्याल रखा कर और उसको कोई भारी सामान मत उठाने दिया कर। डाक्टरनी दीदी को भी दिखा देना। पूछना तो बहुत कुछ चाहती थी। पर रघुवा बिना जवाब दिए चला गया। काकी अगली सुबह डाक्टरनी दीदी के घर गईं। तो डाक्टरनी से पता चला कि उसकी बहू का सातवां महीना चल रहा है। काकी बहुत खुश थीं, लेकिन झुर्रियोंदार चेहरा आज एक खुशी और चिंता से ग्रस्त था। काश काकी रघुवा से अलग न हुई होती तो क्या ऐसा होता। एक काम न करने देती बहू को और जैसी कमजोर थी बसंती क्या तब इतना कमजोर होती भला। अब बसंती और रघुवा से अधिक दिन गिनने की आदत काकी की हो गई थी। इस बीच काकी ने कई बार बहू से बात करने की कोशिश की पर बहू न बोली। संतोष तथा मनमार कर रह गई काकी। आखिर वह दिन भी आया जब रघुवा के घर बेटे ने जन्म लिया। काकी बहुत खुश थीं। एक बार तो मारे खुशी के सब भूल बहू के दरवाजे तक चली गईं पर फिर लौट आईं। क्या अब भी न आएगा रघुवा ? अब तो बुलाने पर ही जाऊंगी। देखना

आएगा और कहेगा अम्मा चलो। दर आशाएं कभी कभी निर्मूल साबित हो जाती हैं। रघुवा बुलाने न आया, फिर मन की दीवालें औरर सख्त थीं वैसी ही सख्त होने लगीं। अब बच्चे के जन्म का 12वां दिन था। रघुवा ने मारे खुशी के सारे गांव में निमंत्रण दिया। सुबह से ही हवाई मिठाई, पूड़ी, चावल व सब्जी बनाने की तैयारी करने लगा। शाम को भोज का न्योता पूरे गांव समेत अन्य गांवों में भी बंटवाया गया। काकी का दिल आज अनचाही खुशी और चिंता से ग्रस्त था। खुशी इस बात क थी कि पोते ने जन्म लिया था जो आगे चल कर कुल का दीपक था। चिंता इस बात की थी कि कही रघुवा ने किसी को न्योते में छोड़ न दिया हो। जब रघुवा का ब्याह हुआ था तब काकी ने एक एक कर सबको बुलाया था। शाम होने लगी लोग दावत में आने लगे पर काकी के खपरैल तक न तो रघुवा आया और ना ही बसंती। काकी को लगा शायद काम काज में व्यस्त होगा तभी नहीं आ सका। अन्यथा अब तक आ न गया होता। शाम को आएगा और आते ही कहेगा कि क्या अम्मा आज भी कहने की जरूरत थी। पर जाऊंगी तभी जब वह आएगा। रात के दस बज गए काकी का मन व दिल अब बैठने लगा। शायद अब इससे अधिक सहन करना इस बुढ़ापे में उनके वश के बाहर की बात थी। मटकी से एक गिलास पानी कांपते हाथों से निकाल हलक के नीचे उतार लिया। रघुवा के बापू को याद करके रोने लगीं। देखा रघुवा के बापू आज भी नहीं आया। अब हममें इतना धैर्य और बल नहीं रहा, जितना अब तक था। काकी बहुत धीरे धीरे रो रही थीं। रघुवा व बसंती खाने बैठे। दूर बैठी मुनिया ने धीरे से रघुवा से कहा, बापू दादी ने अभी खाना नहीं खाया है। रघुआ के अंदर का बेटा जागा। वह उठा। आज उसने पहली बार हिम्मत दिखाई। आज उसे बसंती के गुस्से की भी परवाह नहीं थी। न ही उसकी तरफ मुंह करके उसने देखा। बसंदी मुंह बनाकर बच्चे के पास चली गई। रघुआ भागता हुआ आहाते की ओर गया। अंधेरी कोठरी में टिमटिमाता हुआ एक दिया कोने में रखा बस बुझने की कगार पर था। उसे उठा कर लाया, पीछे मुनिया भी लालटेन लेकर दौड़ कर आ गई। रघुवा ने देखा मां चारपाई पर शांत लेटी हैं। रघुवा समझ गया मां नाराज हैं। उसकी आँखें भर आईं। बोला, मां मुझे माफ कर दो। मैं भूल गया था। क्या तुम अब भी नहीं बोलोगी। बोलो मां। चलो भी चल कर साथ खाना खाते हैं। मां जिस बंटवारे ने तुझको मुझको अलग किया मैं आज उसे मिटा दूंगा। तुम अब मेरे साथ रहोगी। लोग खपरैल में आ गए थे। पीछी से बसंती भी आ गई। मुनकी काकी अब न उठने वाली नींद सो चुकी थीं। रघुवा खूब जोर से दहाड़ मार कर रोया जैसे सारे कौरवों के मरने के बाद धृतराष्ट्र रोये थे। लेकिन अब रघुवा की ये रुलाई किसी काम की नहीं थी। मौत के बाद भी काकी की आंखें खुली हुई चमक रही थीं। शायद इस उम्मीद में कि उनका बेटा उन्हें बुलाने आएगा। उम्मीदों ने आंखों को तो खुला रखा पर सांसे दगा दे चुकी थीं। काकी रघुवा के बापू के पास पहुंच चुकी थीं। बंटवारे का क्रूरतम अंत हो चुका था। मुनिया दादी से लिपट कर खूब रोई और आत्मग्लानि में बसंती भी। दो वर्ष बाद रघुवा के घर एक और नन्हीं परी ने जन्म लिया। उसकी बी आंखें खुली हुई चमक रही थीं। सबने कहा मानों काकी ने छोटी मुनिया के रूप में दूसरा जन्म लिया हो। बसंती बहुत खुश थी। वह अकेली अपनी मुन्नी की तरङ मुंह करके कह रही थी। मां मैं दो बच्चों के बाद तीसरा नहीं चाहती थी पर एक बच्ची या यूं समझ लो तुम्हारी चाहत में एक बारर और ऐसा करने का प्रण लिया था। मैं बहुत खुश हूं। मां अब तुम आ गई हो सब ठीक हो जाएगा। आए मां तुम्हारा स्वागत है। मैं तुम्हारे सारे कर्ज चुका दूंगी। तुम्हें पढ़ाऊंगी, लिखाऊंगी। ताकि दूसरी बसंती और दूसरा बंटवारा न हो। दरवाजे पर खड़ा रघुवा यह सब देख व सुन रहा था। सरयू फिर बहने लगी अविरल, बगैर रुके इस बार रघुवा की आंखों से। **(समाप्त)**

एसआरएमएस सीईटी में सीडीओ चंद्रमोहन गर्ग ने ली क्लास

जिंदगी में रिग्रेट न रखें

बरेली: आईएएस चंद्रमोहन गर्ग आज विद्यार्थियों के बीच सीडीओ के बजाय एक शिक्षक के रूप में पहुंचे। एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग में उन्होंने बीटेक और एमबीए के विद्यार्थियों को लैक्चर दिया। मोटिवेट किया, सफलता के टिप्स दिए और बेहतर जिंदगी जीने के लिए अभी से तैयारी करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिंदगी में कोई रिग्रेट न रखें। जो मिला है उसे स्वीकार कर उसके साथ खुशी खुशी जीना शुरू करें। या जो पाना चाहते हैं, जी जान लगा कर उसे हासिल कर उसके साथ अपनी सफलता को सेलिब्रेट करें। यह सब आप पर ही निर्भर है। जिंदगी को इंज्वाय करें। भरपूर जियें। साथ ही जीवन में क्या करना है ? सवाल को खुद से पूछें। उसे तलाशें। कैसे करना है के साथ लक्ष्य बनाएं। क्या होगा जैसी दुविधा और निराशा से निपटें और जिंदगी में अपना मुकाम हासिल करें। एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग में अपना लैक्चर देने से पहले शिक्षक बने आईएएस चंद्रमोहन ने बीटेक और एमबीए के विद्यार्थियों से सवाल पूछे। बोले, सारी जानकारी किसी के पास नहीं होती, लेकिन इसे सवाल पूछ कर हासिल किया जा सकता है। सवाल पूछ कर कोई भी व्यक्ति खुद को नासमझ साबित नहीं करता, बल्कि ताउम्र बेवकूफ बनने से बच जाता है। विद्यार्थियों के सवालों को उन्होंने एक एक कर नोट किया। फिर बोले, जीवन में क्या करना है ? कैसे करना है ? क्या होगा हमारा भविष्य ? असफलताओं से कैसे निपटें ? लगभग यही सवाल हैं आप सबके। इन सबका जवाब मेरी असफलता और सफलता की कहानी से मिल जाएगा। अब तक की जिंदगी में मैंने भी तमाम काम किए हैं। बीटेक किया। स्टार्ट अप शुरू किया। एनजीओ के जरिये जिंदगी शुरू करने की कोशिश की। एमबीए किया। कारपोरेट में जाब भी की। बाद में यूपीएससी में 25वीं रैंक के साथ आईएएस बना। असफलता और उसका डर, च्वाइस और पैशन की कमी के साथ सामान्य जीवन न जीने का संकल्प और उससे निटने की तैयारी के साथ सफलता भी है मेरी कहानी में। बीटेक करने तक मेरा सबसे बड़ा अचीवमेंट सिर्फ उसमें पास होना था। फिर यूपीएससी ट्राई किया। खराब रैंक आने से असफलता हावी हो गई और उसे छोड़ दिया। कैंपस सिलेक्शन के बाद जाब शुरू की। मजा नहीं आया। स्टार्टअप में पैसा लगाया। उससे भी संतुष्टि नहीं मिली। एनजीओ शुरू किया। पर जिंदगी में बेचैनी थी। यह सब सामान्य जिंदगी की ओर ले जा रहे थे और मैं सामान्य होकर जीना नहीं चाहता था। असफलता के डर के बाद भी एक बार फिर मैं यूपीएससी की ओर लौटने का फैसला किया। पैशन के साथ तैयारी में जुटा। अपने डर को दूर किया। कमजोरियों से निजात पाई। नतीजा यूपीएससी में 25वीं रैंक के साथ सामने आया। सब कुछ बदल गया सिर्फ मेरे पैशन, च्वाइस और जिंदगी का मकसद तलाशने से। असफलता के डर से निजात पाने से। आप सब भी सिर्फ खुद से सवाल पूछें कि आप जिंदगी में चाहते क्या हैं ? आपका इंट्रेस्ट क्या है ? इंट्रेस्ट और लक्ष्य एक होने पर उसे पूरा करने की प्लानिंग बनाएं। सफलता आपके हाथ होगी। हां बाद के लिए रिग्रेट न रखें। जो करना है उसके लिए तैयारी आज से ही शुरू करें। सीडीओ ने इसके लिए विद्यार्थियों को टिप्स भी दिए। सीडीओ की कहानी खत्म होने तक विद्यार्थियों को अपने सारे सवालों के जवाब मिल गए। इसके बाद चंद्रमोहन गर्ग एसआरएमएस ट्रस्ट के सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति के साथ इंजीनियरिंग कालेज के मल्टीपर्पज हाल पहुंचे। जिम और पीजी ब्लाक में स्थापित 3 डी प्रिंटिंग लैब भी उन्होंने देखी। इस दौरान डीन प्रोफेसर डा.प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार भी उनके साथ मौजूद रहे।

चंद्रमोहन सर के टिप्स

- क्या करना है, कैसे करना है सवाल से अपना इंट्रेस्ट पता करे
- खुद को तलाशें, लाइफ में चाहिए क्या? इसे खोजें।
- लाइफ में च्वाइस क्या है? सबसे पहले पता करें।
- जिंदगी में लक्ष्य मल्टीपल न रख कर एक ही रखें।
- फेल होने का डर खत्म करें, इसी पर रखी होती है सफलता की नींव।
- फ्रस्टेशन और डिप्रेशन को खुद पर हावी न होने दें।
- अपनी कमियां तलाशें और उन्हें खत्म करने का प्रयास करें।
- खुद को बदलने के लिए पहले दिमाग और फिर एटीट्यूट बदलें।
- खुद पर सफलता का प्रेशर न रखें, निरंतर प्रयास करें।
- दूसरों की सफलता से खुद की तुलना न करें।
- खुद को मोटिवेट रखने के लिए अपने जैसे लोगों का पियर ग्रुप बनाएं।
- छोटे छोटे माइल स्टोन बना कर लक्ष्य की ओर आगे बढ़ें।
- कांफिडेंश मजबूत करने के लिए छोटी छोटी सफलताओं का जश्न मनाएं।
- हर काम के लिए टाइम लाइन सेट करें और उसे फालो करें।
- अच्छी बुक्स पढ़ने के लिए दिन में समय जरूर निकालें।
- सफलता आपकी अच्छी आदतों का रिजल्ट है।

इन विद्यार्थियों ने पूछे सवाल

शशि शर्मा, आर्यन नाथ सक्सेना, समर्थ सक्सेना, आयुष त्यागी, तनीषा गुप्ता, तुषार गुप्ता, आवेश, अदिति मेहरोत्रा, आयुष कुमार सकसेना, अमन शाह, आमिर खान, गुलरेज, प्रियांशु गंगवार और खुशी पांडेय।

NEW EMPLOYEE

(Till 28th Feb. 2021)

प्रोफेसर शमशाद आलम, प्रिंसिपल
एमएससी नर्सिंग
एसआरएमएस सीओएन, बरेली

डा. रेखा कुमारी, प्रोफेसर
एमडी, बायोकैमिस्ट्री डिपार्टमेंट
एसआरएमएस आईएमएस, बरेली

डा.अमर सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर
एमडी, डर्मेटोलाजी डिपार्टमेंट
एसआरएमएस आईएमएस, बरेली

डा.ममता वर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर
एमएस, ईएनटी डिपार्टमेंट
एसआरएमएस आईएमएस, बरेली

डा. संदीप सिंह सेन, कंसल्टेंट
एमएस, पीडियाट्रिक्स
एसआरएमएस आईएमएस, बरेली

डा. मृगांक माथुर, सीआर
एमएस, आर्थोपैडिक्स डिपार्टमेंट
एसआरएमएस आईएमएस, बरेली

डा. के.पी.एस.यादव, असि. प्रो.
एमएस, आर्थ्रैल्मोलाजी डिपार्टमेंट
एसआरएमएस आईएमएस, बरेली

प्रीति शर्मा, पीजी ट्यूटर
एमएससी नर्सिंग
एसआरएमएस सीओएन, बरेली

बबिता आर्य, पीजी ट्यूटर
एमएससी नर्सिंग
एसआरएमएस सीओएन, बरेली

एसआरएमएस ट्रस्ट के
संस्थानों में संबद्ध
होने वाले सभी नए एवं
पदोन्नत साथियों को
बधाई एवं शुभकामनाएं...

PROMOTION

डा. वंदना सरदाना
एसोसिएट प्रोफेसर से प्रोफेसर
एमडी, माइक्रोबायोलाजी डिपार्टमेंट
एसआरएमएस आईएमएस, बरेली

डा. राहुल वर्मा
एसआर से असिस्टेंट प्रोफेसर
एमडी, जनरल मेडिसिन डिपार्टमेंट
एसआरएमएस आईएमएस, बरेली

रोमांचक मुकाबले में पांच विकेट से जीती एसआरएमएस टीम

बरेली: 21 फरवरी को एसआरएमएस और दैनिक जागरण की टीमों के बीच फ्रेंडली क्रिकेट मैच आयोजित हुआ। सीईटी स्थित श्री राम मूर्ति स्मारक क्रिकेट स्टेडियम में हुए इस मैच में टास दैनिक जागरण बरेली के जीएम व टीम के कप्तान मुदित चतुर्वेदी ने जीता। बल्लेबाजी करने उतरी दैनिक जागरण की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 122 रन बनाए। इसमें अभिषेक द्विवेदी ने 36 और अभिषेक पांडेय ने 27 रन बनाए। जवाब में एसआरएमएस की टीम ने आक्रामक तेवर अपनाए। ओपनर बल्लेबाज डा. आयुष गर्ग ने पहली ही गेंद को बाउंड्री के बाहर भेज कर बता दिया कि वे दैनिक जागरण के लक्ष्य को हल्के में नहीं ले रहे। एसआरएमएस टीम की ओर से 12 चौके और दो छक्कों के आक्रामक खेल के बाद भी मैच की अंतिम गेंद तक रोमांच बना रहा, लेकिन पांच विकेट रहते जीत एसआरएमएस के खाते में ही आई। एसआरएमएस की ओर से सर्वाधिक 43 रन बनाने वाले यूसुफ अंसारी मैन आफ द मैच बने। जीत के बाद भी एसआरएमएस ने फ्रेंडली क्रिकेट मैच की स्मृति के रूप में ट्राफी दैनिक जागरण की टीम को प्रदान की।

एसआरएमएस ट्रस्ट में मनायी वसंत पंचमी

बरेली: एसआरएमएस ट्रस्ट के बरेली स्थित संस्थानों में वसंत पंचमी समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर मां सरस्वती की पूजा की गई। सरस्वती वंदना और दीप प्रज्जवलित करने के साथ पुष्पांजलि दी गई। एसआरएमएस मेडिकल कालेज में लाइब्रेरी और आडिटोयिरम में सरस्वती पूजन किया गया।

राउंड टेबल और लेडीज क्लब ने की मदद

बरेली: बरेली राउंड टेबल और बरेली लेडीज क्लब ने कैंसर मरीज की मदद के साथ 25 मरीज के मोतियाबिंद के आपरेशन का खर्च भी उठाने की पहल की है। दोनों क्लबों की ओर से बुधवार को एसआरएमएस मेडिकल कालेज को इसके खर्च के रूप में 66 हजार रुपये का चेक दिया गया। इस मौके पर बरेली राउंड टेबल के आशीष सिंघानिया, प्रियेश शाह, खुशहाल भार्गव, अभिषेक कपूर और बरेली लेडीज क्लब की अध्यक्ष निकिता गोयल, आदित्य मूर्ति मौजूद रहे।

आईपीएस में वैभव मिस्टर फ्रेशर और सिद्धि बनी मिस फ्रेशर

बरेली: 26 फरवरी को श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल साइंसेस बरेली में पैरामेडिकल के नौवें बैच के विद्यार्थियों के लिए वैलकम पार्टी रखी गई। रंगारंग कार्यक्रम में बैच 2020 से मिस्टर और मिस फ्रेशर का चयन किया गया। जिसमें वैभव गुप्ता को मिस्टर फ्रेशर और सिद्दि गुप्ता को मिस फ्रेशर चुना गया। कार्यक्रम का संलाचन पैरामेडिकल वायब्रेन्ट क्लब के महक नाज, अमन सक्सेना, उत्तीर्ण अवस्थी, साक्षी तिवारी एवं मान्सी गुप्ता ने किया। चेयरमैन देवमूर्ति जी, निदेशक आदित्य मूर्ति जी और आईपीएस के प्रिंसिपल डा. कृष्णगोपाल ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर आईएमएस के प्रिंसिपल डा. एस.बी गुप्ता, एमएस डा. आरपी सिंह, फैकल्टी ईचार्ज डा. आशीष चौहान के साथ कालेज के विभागाध्यक्ष, पैरामेडिकल कालेज के शिक्षकगण उपस्थित हुए।

Crosswords No. 10

HORIZONTAL

1.World's largest democracy,second largest country
2.South central European country having boot shaped borders
5. Most mountainous country of Europe
7. A landlocked country between India and China
9.World's most sparsely populated country
11. World's most literate and technically advance country
13. This country was first to send man in outer space
15. Capital of this country is Budapest
17. Country of West Indies, largest single island of archipelago

VERTICAL

2. Smallest continent on earth
4. Capital and largest city of England
6. Largest city in Istanbul
8. Occupies 85 %of Iberian Peninsula
10. Largest country in South America
12.Also called Persia
14. Mostly desert and oil rich country
16. Located in South East Europe also known as Hellas
18. possess 5th economy of world

क्रॉस वर्ड एवं सुडोकू का परिणाम अगले अंक में देखें

Sudoku No. 10

			7				1	
5			6			3		
	4							
3					7	4		5
2			9		6			
						1		
						7		
6							9	
		3		5	4			

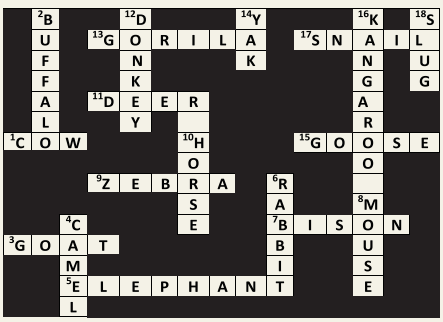

Answer: Crosswords No. 9

7	8	6	9	1	3	2	5	4
2	3	5	8	6	4	1	9	7
1	4	9	7	5	2	8	3	6
3	1	8	2	4	6	9	7	5
5	2	4	3	9	7	6	1	8
6	9	7	5	8	1	3	4	2
8	5	2	4	3	9	7	6	1
9	7	1	6	2	5	4	8	3
4	6	3	1	7	8	5	2	9

Answer: Soduko No. 9

SMAC

SCIENTIFIC & MEDICAL AID CENTRE

Distributors & Stockists

B-D | 3M Health Care | ETHICON Johnson & Johnson Ltd. | B|BRAUN | ROMSONS

G. Surgiwear, Neon Labs, Hitech Medicare, Hospikit Health Care, Surgicare Gloves
BSN Medical, Devon, MGRM, Dispovan Syringes, Vygon, Arrow, Covidien, Portex
Inter Surgical, Nulife, Raman & Well, Sutures India, Hollister, Viggo India

Rtn. Har Govind Khandelwal
9319009257

Dheeraj Khandelwal
9760365052

Neeraj Khandelwal
9639717706

HASAN MARKET, OPP. JANI MASJID, SHASTRI MARKET, BAREILLY
Ph.: 0581-2559554, E-mail: neeraj.smac@gmail.com